



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 708] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 5, 1991/अग्राहयण 14, 1913  
No. 708] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1991/AGRAHAYANA 14, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जन-सूचना परिचालन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 830(अ) :- केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि यह नीचे दी गई सारणी के संघ (1) में विनिर्दिष्ट प्रकार के यान को यान के मुख्य बजन अर्थात् निर्यात अधिकतम, वजन सहित बजन और प्रत्येक धुरी के निर्यात अधिकतम धुरी बजन के लिए, जो मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 58 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 416 (अ) तारीख 8-6-1989 में विनिर्दिष्ट है, धन्यमति दे सकेगी,

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 58 की उपधारा (3) के परम्पुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त सारणी के नीचे विनिर्दिष्ट उपांतरणों/शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपधारा (3) के उपबंध उक्त प्रकार के यान को लागू होंगे।

सारणी

यान का प्रकार	इंजन नं.	चैसी नं.	यान का सकल भार
अशोक लीलेड	25169938	17603	सामने के एक्सल का भार - 9018 किग्रा.
चैसी एफ - 23 पर गड़े	25170185	17602	
हुए कैश फायर टैंकर	25170250	17702	पीछे वाले एक्सल का भार - 20300 किग्रा.
	25170248	17703	

यदि फायर टैंकों को हवाई अड्डा क्षेत्र से बाहर प्रयोग में लाया जाता है, तो उपर्युक्त छूट निम्नलिखित संशोधनों/शर्तों के अध्वक्षीन होगी :—

(1) मार्ग या मोड़ पर या उसके पास बाधाओं और प्रतिबाधाओं जैसे वृक्ष की शाखा और भवन का पूर्ण निष्पारण करने के लिए माधुघानी बरतनी होगी,

(2) केन्द्रीय सरकार उक्त यान के अभिहन में या उसमें लक्ष्य वस्तुओं को हुए नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगी,

(3) उक्त यान के संचालन/चलाने के कारण केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या अधिकरण द्वारा अनुपेक्षित या पर्यवेक्षित सड़क या सड़क के ढांचे को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हुए नुकसान के लिए अप्रेटर/मालिक उत्तरदायी होगा और उक्त अप्रेटर/मालिक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्धारित नुकसानी राशि के संवय के लिए जिम्मेदार होगा,

(4) उक्त यान सड़क/मार्ग पर सामान्य रूप से चलने वाले यातायात को बिना कोई बाधा या प्रतिबाधा पहुंचाए चलेगा,

(5) उक्त यान की सीमा को स्पष्ट और उपयुक्त रूप से वर्णन के लिए उस पर आवश्यक चिह्नों/सूचक जैसे चिह्न के समय में लाल झण्डे लगाए जाएंगे और रात के समय में लाल बत्ती का प्रयोग किया जाएगा

(6) अप्रेटर/चालक को स्थानीय निकायों या अन्य सरकारी विभागों से उनकी सड़कों पर उक्त यान को चलाने के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करनी होगी,

(7) राजमार्ग/गुल, पुलिस या अन्य सड़क या सड़क के ढांचे के प्राधिकारी उक्त यान के संचालन की आपात काल परिस्थितियों और सड़क के ढांचे की वृद्धि के कारणों से रोकने के हकदार होंगे,

(8) उक्त यान के लिए नीचे दी गई सारणी के स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट वजन को बढ़ाया नहीं जाएगा,

(9) उक्त यान राजमार्ग/सड़क के सम्बन्ध सहायक/क्षेत्रीय इंजीनियरिंग की पर्याप्त/अधिम/पूर्व सूचना के अभाव में, चलाए जाएंगे,

(10) रेल के समतल पारण या उपरि/निचले पुल को पार करने से पहले रेल प्रशासन में अग्र से पूर्व अनुज्ञा अधिप्राप्त करनी होगी,



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 708] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 5, 1991/अग्राहायण 14, 1913  
No. 708] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1991/AGRAHAYANA 14, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जन-सूचना परिपत्रक मंत्रालय

(परिपत्रक पक्ष)

अदेश

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1991

का प्रा 820(अ) - केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि वह नोबे दी गई साधनों के साथ (1) में विनिर्दिष्ट प्रकार के यान को यान के मुख्यतः वजन अर्थात् विमान अथवा जहाज, लड़ाकू यान और प्रत्येक युग्म के निरापद अधिकतम धुरी वजन के लिए, जो मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 58 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 416 (अ) तारीख 8-6-1989 में विनिर्दिष्ट है, अनुमति दे सकती है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 58 की उपधारा (3) के परस्पर द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त सारणी के नीचे विनिर्दिष्ट उपांतरणों/शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त उपधारा (3) के उपबंध उक्त प्रकार के यात्र को लागू होंगे।

#### सारणी

यात्र का प्रकार	इंजन नं.	चौबी नं.	यात्र का सकल भार
अशोक लीलेड	25169938	17603	सामान के एकसल का भार ~ 9018 किग्रा.
चौबी एफ-23 पर गये	25170155	17602	
हुए कीम फायर टैंकर	25170250	17702	पीछे वाले एकसल का भार ~ 20300 किग्रा.
	25170248	17703	

यदि फायर टैंकों को हवाई अड्डा क्षेत्र से बाहर प्रयोग में लाया जाता है तो उपर्युक्त छूट निम्नलिखित संशोधनों/शर्तों के अध्वक्षीत होगी :—

(1) मार्ग या मोड़ पर या उसके पास बाधाओं और प्रतिबाधाओं जैसे वृक्ष की शाखा और भवन का पूर्व मिथारण करने के लिए सावधानी बरतनी होगी,

(2) केन्द्रीय सरकार उक्त यात्र के प्रविहन में या उसमें लदी वस्तुओं को हुए नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगी,

(3) उक्त यात्र के संवलन/बलाने के कारण केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या अधिकरण द्वारा अनुरक्षित या पर्यवेक्षित सड़क या सड़क के ढाँचे को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हुए नुकसान के लिए घाटेदार/मालिक उत्तरदायी होगा और उक्त घाटेदार/मालिक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्धारित नुकसानी राशि के संदाय के लिए जिम्मेदार होगा,

(4) उक्त यात्र सड़क/मार्ग पर सामान्य रूप से चलने वाले यातायात को बिना कोई बाधा या प्रतिबाधा पहुंचाए चलेगा,

(5) उक्त यात्र की सीसा को स्पष्ट और उपयुक्त रूप से दशांश के लिए उस पर आवश्यक चेतावनी सूचक जैसे बिन के समय में लाल झण्डे लगाए जाएंगे और रात के समय में लाल बत्ती का प्रयोग किया जाएगा

(6) घाटेदार/बालक को स्थानीय निकायों या अन्य सरकारी विभागों से उनको सहकों पर उक्त यात्र को चलाने के लिए आवश्यक अनुज्ञाप प्राप्त करनी होगी,

(7) राजमार्ग/पुल, पुलिया या अन्य सड़क या सड़क के ढाँचे के प्राधिकारी उक्त यात्र के संवलन को व्यापार काल परिस्थितियों और सड़क के ढाँचे की दशा के कारणों से रोकने के हकदार होंगे,

(8) उक्त यात्र के लिए नीचे दी गई सारणी के संभ 4 में विनिर्दिष्ट वजन को बढ़ाया नहीं जाएगा,

(9) उक्त यात्र राजमार्ग/सड़क के सम्बद्ध सहायक/क्षेत्रीय इंजीनियरिंग की पर्याप्त/अधिश/पूर्व सूचना के प्रकाश, चलाए जाएंगे,

(10) रेल के समस्त पारण या ऊपर/निचले पुल को पार करने में पहले रेल प्रशासन से अलग से पूर्व अनुज्ञा अभिप्राप्त करनी होगी,

(11) किसी सड़क हाईवे/घुल/घुलिया/काजये पर चलने समय यह सुनिश्चित करना होगा कि उक्त घात भंगी गति से कोई समाधान कारित किए बिना चलेगा और उसे ब्रेक नहीं लगाए जाएंगे और यह उस समय चलेगा जब उस हाईवे पर अन्य कोई वाहन न हो।

[सं. प्रार टी - 11042/12/91 -- एम बी एल]

जी. के. पिक्ले, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

### ORDER

New Delhi, the 5th December, 1991

S.O. 820 (E).--WHEREAS the Central Government is of the opinion that heavier weight than the maximum safe laden weight and the maximum safe axle weight of each axle of the vehicle as specified in this Ministry's notification No. S.O. 416 (E), dated 8-6-89 issued under sub-section (i) of Section 58 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) may be permitted for the vehicle of the type specified in column (1) of the table given below.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of Section 58 of the said Act, the Central Govt. hereby directs that the provisions of the said sub-section (3) shall apply to the said type of vehicle subject to the modifications/conditions specified hereunder below the said table :—

The Table

Type of Vehicle	Engine No.	Chassis No.	Gross Vehicle Weight	
			Front Axle Wt.	Rear axle Wt.
Crash Fire Tenders	25169938	17603	9018 Kgs.	20300 Kgs.
fabricated	25170155	17602		
on Ashok Leyland	25170250	17702		
Chassis F-23	25170248	17703		

In case the fire tenders are used outside the airport area, the above relaxation is subject to the following modifications/conditions:—

- (1) Due care shall be taken to assess before hand such obstructions and hindrances as branches of trees and buildings that exist on or along the route and at the curves.

- (2) The Central Government shall not be responsible for any damage in transit to the above vehicle or to the things loaded;
- (3) The operator/owner shall be responsible for any damage caused to the road maintained or supervised by the Central Government/National Highway Authority or its agency and to the road structures either directly or indirectly due to movement/plying of the said vehicle and the said operator/owner shall be liable to pay the amount as damages that may be assessed by the National Highway Authority;
- (4) The said vehicle shall move without operating any obstructions or hindrance to the normal flow of traffic on the road/route;
- (5) Necessary warning signals like red flags during day-time and red lights during night shall be used/displayed to indicate clearly and properly the extremities of the vehicle;
- (6) Necessary permission shall be obtained by the operator/driver from the local bodies or other Govt. Depts. for plying/running the said vehicle on their roads;
- (7) The authorities of the National highway bridges, culverts or of other roads or of road's structures shall be entitled to stop the movement of the said vehicle due to exigencies/situations and for reasons of road conditions and road structures;
- (8) The weights specified in columns No. 4 in the Table given above shall not be increased in the said vehicle;
- (9) The said vehicle shall move only after sufficient advances/prior notice to the concerned Assistant/Divisional Engineer of the Highway/R.
- (10) Separate prior permission from the Railway Administration shall be obtained before crossing any level crossing or any over-bridge/un of the railway;
- (11) While moving on any road-structure/bridge/culvert/causeway, it shall be ensured that the said vehicle move at crawling speed without causing any impact and without applying brakes and while no other vehicle is on that structure.

[No. RT-11042/12/91- MVL]

G.K. PILLAI, Jt. Secy.